

चंडीगढ़ (भाषा) टू-जी स्पेक्ट्रम घोटाला संबंधी जेपीसी की मसौदा रिपोर्ट पर भाजपा द्वारा नशाना साधे जाने के बीच केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी ने आज कहा कि पार्टी अनावश्यक रूप से यह मुद्दा उठा रही है क्योंकि रिपोर्ट के संसद में पेश होने पर उस पर चर्चा की जा सकती है। तिवारी ने यहां संवाददाताओं से कहा, “जेपीसी की मसौदा रिपोर्ट सदस्यों को भेज दी गयी है। अब जेपीसी की बैठक होगी और सदस्य उस बैठक में अपने विचार रख सकते हैं। उसके बाद रिपोर्ट स्वीकार की जायेगी और इसे संसद में पेश किया जायेगा। जब रिपोर्ट संसद में आयेगी तो हम उस पर चर्चा कर सकते हैं....”

सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने मसौदा रिपोर्ट का बचाव करते हुए कहा कि यह रिपोर्ट जेपीसी सचिवालय ने तैयार की है।

लुधियाना से लोकसभा सदस्य तिवारी ने कहा, “...जो लोग जेपीसी मसौदा रिपोर्ट को खारज कर रहे हैं या अनावश्यक टिप्पणी कर रहे हैं, वे शायद भूल गए हैं कि मुरली मनोहर जोशी की अध्यक्षता वाली लोकलेखा समिति की रिपोर्ट भी उसके सचिवालय ने तैयार की थी। उसी तरह यह परंपरा रही है कि जेपीसी सचिवालय द्वारा रिपोर्ट तैयार की जाती है और सदस्यों को भेजी जाती है।”